दिल्ली पब्लिक स्कूल, फ़रीदाबाद

दिनांक : 24.09.16
समय : 3 घंटे
पूर्णांक : 90
पृ.स. : 3

प्रथम सत्रीय परीक्षा 2016-2017

विषय - हिन्दी कक्षा - X

खण्ड 'क'

प्र01 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से छाँटकर लिखिए-**

श्रीरामकृष्ण ने जो कठोर साधन-भजन किया वह बहुजनहितााय बहुजनसुखाय ही था। उन्होंने अपनी मुक्ति के लिए साधना नहीं की। वे तो 'नित्य-शुद्ध-बुद्ध-मुक्तस्वरूप' थे। अपार करुणा से प्रेरित होकर जगत् के हित के लिए अवतारगण मानवदेह धारण करते हैं और उनके संपूर्ण जीवन के सभी कार्य, साधन-भजन-तपस्या आदि, जीवकल्याण के लिए ही होते हैं। श्रीरामकृष्ण के जीवन की घटनाएँ तो और भी अलौकिक हैं। उन्होंने जीवों को पापमुक्त किया और उनके पापों को अपने ऊपर लेकर कठोर रोगों के रूप में भोगा। जीवन के अंतिम दिनों में जब वे असाध्य कैंसर रोग से पीड़ित हो काशीपुर में निवास कर रहे थे, उस समय उन्हें एक अद्भुत दर्शन हुआ उन्होंने देखा कि उनका सूक्ष्मशरीर, उनके स्थूलशरीर से बाहर आकर विचरण कर रहा है और उसके गले के पीछे का भाग घावों से भर गया हैं। बाद में उन्होंने बतलाया था - "देखा कि सारी पीठ घाव से भरी हुई है। सोचने लगा कि ऐसा क्यों हुआ? उसी समय माँ ने दिखाया कि लोग भला-बुरा करके आकर (मुझे) छूते हैं और उनकी दुर्दशा देखकर मेरे मन में दया आ जाती है, फलस्वरूप (दुष्कर्मों का फल) स्वयं को लेना पड़ता है। वह सब ग्रहण करके ही तो ऐसी बीमारी हुई है। इसी कारण से तो यह (अपना गला दिखाकर) हुआ है। अन्यथा इस शरीर से तो कभी अन्याय कार्य नहीं हुआ है, फिर इसमें रोग का भोग क्यों?" वे जीवों की भलाई के लिए लाखों बार भी जन्म लेने और दुःख भोगने के लिए तैयार थे। ऐसा उन्होंने कई बार कहा है।

क. श्रीरामकृष्ण ने साधना क्यों की? 2
ख. रामकृष्ण जी को क्या अद्भुत दर्शन हुआ? 2
ग. उनके गले का पिछला भाग घावों से क्यों भर गया? 2
घ. रामकृष्ण किसके लिए तैयार रहते थे? 2
च. रामकृष्ण के जीवन की घटनाएँ कैसी हैं? 1
ङ. गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखे? 1
छ. जीवन के अंतिम दिनों में वे किस रोग से ग्रस्त हुए? 1
ज. 'सूक्ष्म' का विलोम गद्यांश से छाँटकर लिखिए। 1

प्र02 **निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** 1x8=8

एक बेटी के जीवन में
सबसे बड़ा परिवर्तन
तब आता है -
जब वह स्वयं माँ बनकर
उन सभी अनुभवों से गुजरती है,
जो कभी उसकी माँ ने किये थे।
जब वह अपनी बेटी के
ज़रा से दुख से द्रवित होती है,
तब, ...
उसकी आँखों की कोरें
स्वतः नम हो जाती हैं।
शायद -

DELHI PUBLIC SCHOOL, FARIDABAD

1st Semester EXAMINATION, 2016-17

MARKING SCHEME

CLASS - X SUBJECT - हिन्दी DATE - 24.09.2016 MAX MARKS - 97

Q. NO.		MARKS
प्र01. क	श्रीरामकृष्ण ने ~~समाज~~ बहुजनहिताय बहुजनसुखाय के लिए साधना की।	
ख)	काशीपुर में निवास - - - भर गया है।	
ग)	~~उनको सूक्ष्म शरीर, उनके स्थूल~~	
	माँ ने दिखाया कि - - - बीमारी हुई है।	
घ)	जीवों की भलाई के लिए।	
ङ.	श्रीरामकृष्ण परमहंस	
च	कैंसर	
छ.	स्थूल	
प्र02.	क) जब वह माँ बन जाती है।	
	ख) जब वह अपनी बेटी के दर्द से दुख से द्रवित हो जाती है।	
	ग) माँ बन जाती है।	
	घ) बेटी	
	ङ. ~~दुःख~~ माँ - बेटी	
	च) माँ और बेटी एक दूसरे का सहारा हैं। दोनों एक दूसरे के लिए दुखी और द्रवित होती हैं।	
	छ) सुख और अशक्त	
	ज प्रत्येक पल — आत्मीय भाव	

NAME AND SIGNATURE OF SUBJECT COORDINATOR Dr. Renu Vinani

DELHI PUBLIC SCHOOL, FARIDABAD

______________ EXAMINATION, 2016-17

MARKING SCHEME

CLASS - ________ SUBJECT - ________ DATE - ________ MAX MARKS - ______

Q. NO.		MARKS
	खण्ड ख	
प्र०3 क)	जैसे ही घंटी बजी वैसे ही चोर भाग गया।	
ख)	मैं आया और वह चला गया।	
ग)	शाम होते ही चिड़ियाँ घोंसले में चली गई।	
प्र०4 क)	अध्यापक अभी चले गए।	
ख)	~~आ~~ मेरे पिताजी आज आए हैं।	
ग)	श्याम ने मिठाई खा ली।	
घ)	मुझे कुछ नहीं कहना।	
प्र०5 क)	जन्म से लेकर — अव्ययीभाव	
	नील है कंठ, जिसका, वह — बहुव्रीहि	
ख)	सुख-दुख — द्वंद्व समास	
	पीताम्बर — बहुव्रीहि समास	
प्र०6	वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।	
	जैसे — रेनू	
प्र०7 क)	घड़ों पानी पड़ गया।	
ख)	लोहे के चने चबाना।	

NAME AND SIGNATURE OF SUBJECT COORDINATOR ____________ ____________

DELHI PUBLIC SCHOOL, FARIDABAD

_______________ EXAMINATION, 2016-17

MARKING SCHEME

CLASS - __________ SUBJECT - ____________ DATE - ____________ MAX MARKS - ______

Q. NO.		MARKS
	खण्ड ग	
क) प्र8	दैवीय शक्ति, विलक्षण रहस्य, तलवार के विषय में कई अलौकिक घटनाएं प्रचलित, सदा अपने साथ रखता, लकड़ी की तलवार।	
ख)	दर्शकों की रुचि का परिष्कार करना ताकि उनकी रुचि के अनुसार उथलेपन को अपनाना।	
ग)	किताबों के हाशियों पर चिड़िया, कुत्ते, बिल्लियों की तस्वीरें बनाते, कभी-कभी एक ही शेर को बार-बार लिखते, कभी कुछ ऐसी बातें लिखते जिनका आपस में न कोई तार-तम्य होता न सामंजस्य।	
प्र9)	अध्ययनशील, किस्मत के धनी नहीं, सहज बुद्धि अत्यंत तीक्ष्ण बुद्धि, आदि विशेषता का विस्तार से वर्णन करिए।	
प्र10	लोक-तत्व का अभाव।	
क)	'दुख का ऐसा वीभत्स -- कर सके।'	
ख)	'तीसरी कसम --- प्रस्तुत करती है।'	
ग)		

NAME AND SIGNATURE OF SUBJECT COORDINATOR ______________

DELHI PUBLIC SCHOOL, FARIDABAD

_______________ EXAMINATION, 2016-17

MARKING SCHEME

CLASS - __________ SUBJECT - __________ DATE - __________ MAX MARKS - ______

Q. NO.		MARKS
प्र0 14 क)	26 जनवरी और 15 अगस्त / स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस।	1/1
ख)	आइने से क्योंकि जिस तरह मनुष्य आइने में अपना रूप निहारता है उसी तरह पर्वत तालाब रूपी आइने में अपना रूप निहार रहा है।	2/2
ग)	सुखी वह जो इन सांसारिक सुखों को वास्तविक सुख समझ कर आराम से सोता है और दुखी वो है ~~[illegible]~~ जिसे ये ज्ञान प्राप्त हो गया है कि सांसारिक सुख वास्तविक सुख नहीं है वास्तविक सुख तो उस परमात्मा को प्राप्त करने में है जिससे बिछड़कर जीवात्मा इस संसार में आई है।	2/2
प्र0 12	द्रौपदी, भक्त प्रह्लाद, हाथी, के उदाहरण का विस्तार से वर्णन किया जाएगा	4.5/5
प्र0 13	एक पक्ष ज़मीन ठाकुरबारी को देने के पक्ष में दूसरा ज़मीन भाइयों को देने के पक्ष में। समर्थन / विरोध में तर्क सहित उत्तर लिखना है।	4.5/5

NAME AND SIGNATURE OF SUBJECT COORDINATOR __________ __________

DELHI PUBLIC SCHOOL, FARIDABAD

______________ EXAMINATION, 2016-17

MARKING SCHEME

CLASS - ________ SUBJECT - ________ DATE - ________ MAX MARKS - ______

Q. NO.		MARKS
	खण्ड घ	
प्र०14	विषय का वर्णन —	1.5
	भाषा - शैली	2.0
	वर्तनी अशुद्धियाँ	1
		अधिकतम अंक 4.5/5
प्र० 15	प्रारंभ	1.5
	विषय - वर्णन	2.5
	भाषा - शैली व वर्तनी	1
		4.5/5
प्र०16	प्रारंभ	1.5
	वर्णन व भाषा - शैली	2.5
	वर्तनी	1
		5/5
प्र०17	संवाद की भाषा	2
	विषय वर्णन व विस्तार	2.5
		4.5/5

NAME AND SIGNATURE OF SUBJECT COORDINATOR ______________

DELHI PUBLIC SCHOOL, FARIDABAD

______________ EXAMINATION, 2016-17

MARKING SCHEME

CLASS - __________ SUBJECT - __________ DATE - __________ MAX MARKS - ______

Q. NO.		MARKS
प्र०18/	विज्ञापन की कलात्मकता	1·
	वर्णन, भाषा, अशुद्धि	3·5
		~~4.5~~ 5/5

NAME AND SIGNATURE OF SUBJECT COORDINATOR ______________ [signature]